कुमाऊँ प्रवेशिका
भाग–2

कुमाऊँ प्रवेशिका

(दूसरा भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन

लखनऊ - 226005 (उ.प्र.)

कुमाऊँ प्रवेशिका
(दूसरा भाग)

रचना- मण्डल :

श्री यमुनादत्त वैष्णव 'अशोक'
डॉ. यशोधर मठपाल
डॉ. देवसिंह पोखरिया
कु. लीला टम्टा
श्री भैरवदत्त गुरुरानी
श्री विशनदत्त जोशी
डॉ. राधा शर्मा
श्री श्यामलाल
डॉ. धरम सिंह
श्री वीरेन्द्र मुलासी
श्री लायक राम 'मानव'
श्री विश्वनाथ सिंह

चित्रांकन :

श्री के.जी. सिंह
श्री डी.वी. दीक्षित
कु. पूनम शाही
कु. मीरा गुप्ता

प्रकाशक :

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ-226005 (उ.प्र.)

प्रथम संस्करण - मार्च 1990

मुद्रक :

लखनऊ पब्लिशिंग हाउस
37, कैण्टूनमेण्ट रोड, लखनऊ

कुमाऊँ प्रवेशिका
(दूसरा भाग)
पाठ इकाई विवरणिका

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय-क्षेत्र	रा. सा. मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1	झट गहत रैंस राई	ट ह ै ई	51 से 60 तक गिनती	दलहन - उपज	कार्यात्मिक शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक कार्यकलाप
2	अस्पताल, परिवार-कल्याण	अ स् व ल् य	61 से 70 तक गिनती	परिवार - कल्याण स्वास्थ्य	जनसंख्या शिक्षा, स्वास्थ्य, चेतना - जागृति
3	कविता (पठन - अभ्यास)	—	—	श्रम, विकास	चेतना - जागृति आर्थिक कार्यकलाप

जाँच - पत्र : 4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय-क्षेत्र	रा. सा. मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
4	झाड़ फूँक ढोल	झ ड़ (ड) ू ढ (ढ़)	71 से 80 तक गिनती	अंधविश्वास	कार्यात्मक शिक्षा, चेतना- जागृति
5	शोषण, जन-क्रान्ति, एकता, मुक्ति	श ष ्र (श्र) ् ए क	81 से 90 तक गिनती	शोषण मुक्ति	चेतना- जागृति, आर्थिक कार्यकलाप
6	उतरैणी पर्व त्रिवेणी घाट बागेश्वर	उ ि त्र घ श	91 से 100 तक गिनती	धर्म, संस्कृति	सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक विकास

जाँच - पत्र : 5 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय-क्षेत्र	रा. सा. मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
7	ऋण आमदनी ओड़ औजार	ऋ आ ओ औ	जोड़ का ज्ञान	स्वरोजगार	आर्थिक कार्यकलाप कौशल - विकास, चेतना जागृति
8	कक्षा अंक ज्ञान	क्ष अं ज्ञ	घटाने का ज्ञान	शिक्षा	साक्षरता, चेतना-जागृति
9	कविता (पठन- अभ्यास)	—	गुणा का ज्ञान	श्रम	कौशल विकास
10	राष्ट्रीय चिह्न जन - जागृति	ष [illegible]	भाग का ज्ञान गुणा का अभ्यास	राष्ट्र - प्रेम	राष्ट्रीय मूल्य, नैतिक विकास

जाँच - पत्र : 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

प्रमाण पत्र

पाठ 1

भट　　गहत　　रैंस　　राई

ट　　ह　　ै　　ई

ट	टाँग	टीका	टिकट	भिटौली
ह	हल	हाथ	दही	दहेज
ै	पैसा	मैत	धुमैला	नैनीताल
ई	ईख	ईमान	चटाई	चारपाई

51 52 53 54 55 56 57 58 59 60

पहाड़न की रैंसाल, भट गहत रैंस घन राई।
हूँण लगौ तो थोइ एक, खेतन की बड़ी कमाई।।

भैंस	टोपी	हौसला	खाट
ईद	होली	निमैल	सैनिक
दुधैल	भाई	तराई	चतुराई

हरी-हरी राई

हरुली खेत में गई । राई के पात लाई—हरी - हरी राई के पात । हीरा बाहर ही बैठा था ।

हीरा ने कहा—हरुली, गहत की दाल खाने का मेरा बहुत ही मन है ।

हरुली बोली— हाँ, मैं गहत का रस बनाऊँगी । राई का साग भी बनाऊँगी । गहत के रस में ताकत होती है । राई के साग में भी बहुत ताकत होती है ।

हीरा हँसा! बोला—हरुली, तुमने ठीक कहा! दालों से बहुत ताकत है । इस साल मैं खेतों में गहत तो बोऊँगा ही, भट, रैंस भी बोऊँगा ।

अभ्यास 1

1. नीचे लिखे शब्दों में ट, ह, ै तथा ई वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए :

पैदल बहार कटोरा टीक टमाटर भलाई

बुनाई कहानी हुनर कुकैल मैदा मिठाई

ट -------------- -------------- --------------

ह -------------- -------------- --------------

ै -------------- -------------- --------------

ई -------------- -------------- --------------

2. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्यों को पूरा करिए और पढ़िए :

खटाई पालक रैंस चौलाई चटनी चटाई

- -------------- की दाल खाने से ताकत मिलती है ।
- -------------- खाने से सेहत बनती है ।
- बीना -------------- के पराठे बनाती है ।
- चनुली टमाटर की -------------- बनाती है ।

3. गिनती लिखिए :

51	52	53	54	55
____	____	____	____	____
56	57	58	59	60
____	____	____	____	____

पाठ 2
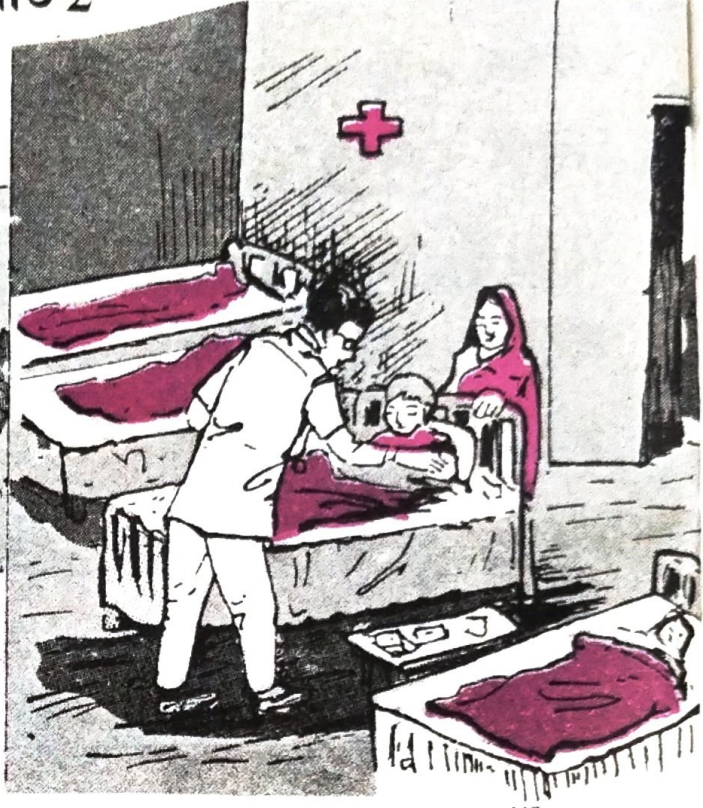
अस्पताल परिवार कल्याण

अ स् व ल य

अ	अमर	अनार	अनाज	अधरात
स्	स्नान	स्थान	सस्ता	रास्ता
व	वन	वतन	विकास	हवा
ल	गल्ला	दिल्ली	बिल्ली	कल्याण
य	यह	गाय	माया	वायुयान

61 62 63 64 65 66 67 68 69 70

अस्पताल में तुम जया, बच्चन टिक लगवाण।
नानू नान कुल साथ धरि, छ परिवार कल्याण॥

अगहन	अखबार	अखरोट	फायदा
रस्सी	अस्कोट	पोस्टमैन	अँधेरा
छल्ला	मल्लाह	गवाही	दवाई
चाय	रायता	तल्ली	जायदाद

जब से जाना, तब से माना

अनुली अठारह साल की थी। कल्याण सिंह चौबीस साल का था। दोनों का विवाह हो गया। दो साल बाद बच्ची पैदा हुई। बच्ची का नाम रखा– वीणा। वीणा जब दस महीने की थी, तब बहुत
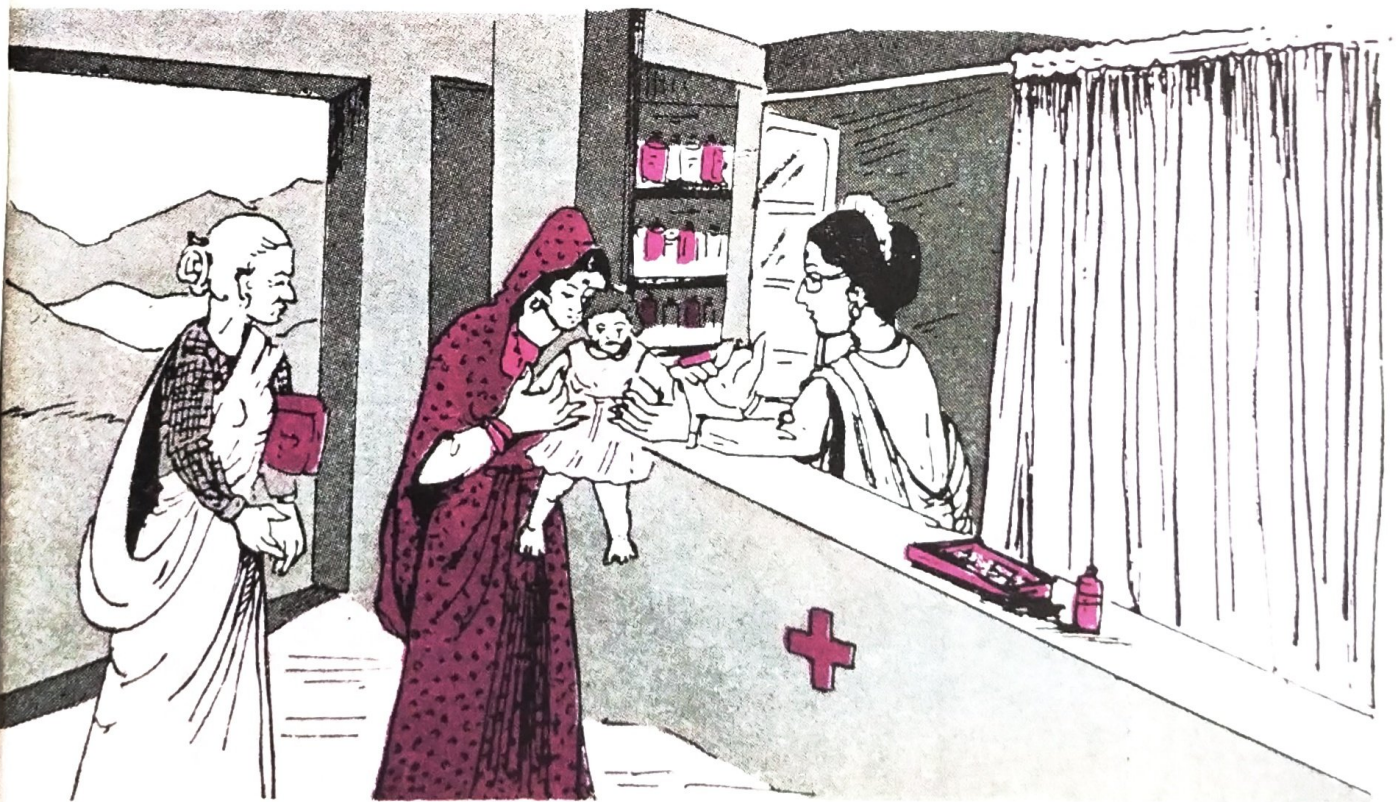
बीमार हो गई । अनुली वीणा को अस्पताल ले गई । सास भी साथ थी । अस्पताल में वीणा को टीके लगे । कुछ दवा भी दी गई । वीणा की खुराक व देखरेख के बारे में बताया गया ।

दोनों वापस लौटीं । जब कल्याण सिंह खेत से लौटा, तो वीणा की दादी बोली– बेटा, अस्पताल वाले भी अनोखे हैं । अजीब - अजीब बातें बताते हैं । कहने लगे, पैदा होने के बाद बच्ची को टीके नहीं लगे । बच्ची को सही खुराक भी नहीं दी गई । तभी तो बच्ची बीमार हो गई ।

कल्याण सिंह हँसा, धीरे से बोला—ये बातें तो परिवार कल्याण वाले भी बता रहे थे।

अनुली की सास बोली—जब से जाना, तब से माना। अब अपनी वीणा को सही खुराक देंगे। सभी टीके भी समय पर लगवायेंगे।

अभ्यास 2

1. नीचे लिखे वर्णों को पढ़िए और उनकी सहायता से नीचे के शब्द पूरे कीजिए और लिखिए :

अ स् व ल् य

ग...ाही	....	बि...ली	....
...खबार	....	र...सी	....
द...तकारी	....	फा...दा	....
क...याण	....	...खरोट	....

2. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

- अखबार बाँचने से नई - नई .... मिलती है। (बीमारी/जानकारी)
- भारत की राजधानी .... है। (लखनऊ/दिल्ली)
- असहाय की .... करें। (सहायता/बुराई)

3. गिनती लिखिए :

61 62 63 64 65 66 67 68 69 70

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

पाठ 3

चेतन तन हो, चेतन हो मन

गाँव - गाँव हर गली - गली में,
अब विकास की हवा चली ।
मानव का मन खिला - खिला सा,
हँसती – सी हर कली – कली ॥ 1 ॥

नया भोर हो, नई किरण हो,
जगमग पथ जागे जग सारा ।
चेतन तन हो, चेतन हो मन,
चमकेगा तब भाग्य सितारा ॥ 2 ॥

बाग लदे हों पके फलों से,
हरे–भरे से वन हों अपने ।
हाथ – हाथ को नया काम हो,
सच्चे हों मेहनत के सपने ॥ 3 ॥

— भैरव दत्त गुरुरानी
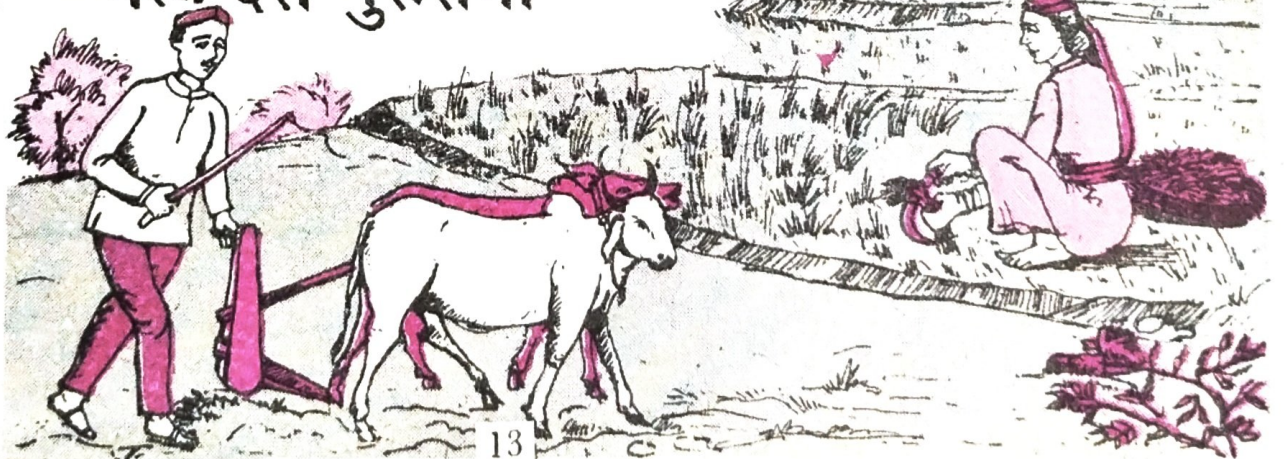
अभ्यास 3

1. पढ़िए और लिखिए :

सख्त	------------------	तथ्य	------------------
मुख्य	------------------	ध्यान	------------------
ग्वाला	------------------	ध्वनि	------------------
ग्यारह	------------------	प्यास	------------------
बच्चा	------------------	प्याज	------------------
पत्थर	------------------	सब्जी	------------------
सत्य	------------------	सभ्य	------------------
सज्जन	------------------	सम्मान	------------------
ज्वार	------------------	व्यायाम	------------------
मिथ्या	------------------	पुस्तक	------------------

2. खाली जगहों में सही गिनती भरिए :

	52			55
56		58		
	62		64	
66				70

जाँच-पत्र: 4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए :

(अ) खटाई अल्लाह दहेज नैनीताल
ईमान बिस्तर वायुयान कल्याण

(ब) अनुली, वीणा को अस्पताल ले गई । सास भी साथ थी । अस्पताल में वीणा को टीके लगे । कुछ दवा भी दी गई । वीणा की खुराक व देखरेख के बारे में बताया गया ।

2. लिखिए :

अस्कोट ------------ सच्चाई ----------------
परिवार ------------- बिल्ली ----------------
रास्ता ------------- बाल्यकाल ---------------

3. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

- दाल की एक किस्म ------- है ।(पालक/रैंस)
- निगाल से --------- बनाते है। (खटाई/चटाई)
- नैनीताल एक ----------- है । (नहर/शहर)

4. खण्ड 'अ' की गिनतियों को खण्ड 'ब' की गिनतियों से रेखा खींचकर मिलाइए :

5. 55 से 70 तक गिनती लिखिए :

55 ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ 70

पाठ 4

झाड़ फूँक ढोल

झ ड़ (ड) ू ढ (ढ़)

झ	झरना	झील	झुनझुना	झंकार
ड़	जड़	पहाड़	बाड़ा	पड़ोसी
ड	डर	डाक	डीलडौल	डंडा
ू	फूल	भालू	कानून	दातून
ढ	ढप	ढाल	ढेर	ढाढस
ढ़	पढ़ाई	बढ़ई	बुढ़ापा	सीढ़ी

71 72 73 74 75 76 77 78 79 80

झाण फूँक जागरि लगै, बाजौ दमुवाँ ढोल।
गणतू की गण - गण भई, सबैकि खुलिगे पोल ॥

झोला	झरोखा	झाँझर	सड़क
ककड़ी	हुड़का	डोली	झंडा
खजूर	पंचचूली	ढपली	ढोर
ढोलक	बाढ़	चढ़ाई	मोढ़ा

झगड़ू ने हुँकारी भरी

झगड़ू बढ़ईगीरी करता था। झगड़ू का बड़ा लड़का था रामू । रामू को तीन दिन से बुखार था। वह सोते – सोते बड़बड़ाता रहता था। झगड़ू गणतू के पास गया। गणतू ने कहा – लड़के पर कोई बुरी छाया पड़ गई है। जागर लगवानी पड़ेगी। बिना देवता का जागर लगाये वह ठीक नहीं होगा। तुमको बकरे की बलि देनी पड़ेगी।

झगड़ू, गणतू के पास से लौटा। कुछ सोचता रहा। फिर वह जगरिया के पास गया। जगरिया ने कहा – जागर जल्दी ही लगानी पड़ेगी। तुम तैयारी करो। डँगरिया को भी बुला लो।

झगड़ू डँगरिया को बुला लाया, जगरिया भी जल्दी ही पहुँच गया। वे दोनों रामू के पास बैठ गये।

जगरिया डमरू व थाली बजाने लगा। झगड़ू हाथ जोड़कर सामने बैठ गया।

डँगरिया बोला – देख झगड़ू, तुझे ढोल-जागर भी लगवानी पड़ेगी।

झगड़ू ने कहा – हे महाराज! जैसा कहोगे, वैसा ही करूँगा। बस, मेरा लड़का ठीक हो जाय।

तभी वहाँ स्कूल के मास्टर जी पहुँच गये। मास्टर जी ने लड़के के माथे पर हाथ रखा। माथा तप रहा था। मास्टर जी बोले – इसे तेज बुखार है। यह जागर लगाने से ठीक नहीं होगा, न ही ढोल - डमरू बजाने से। इसे अस्पताल ले जाना पड़ेगा।

झगड़ू ने हुँकारी भरी। जगरिया व डँगरिया मास्टर जी का मुँह देखते रह गये।

अभ्यास 4

1. पढ़िए और लिखिए :

(अ) झ ड ड़ ढ़ ढ झाड़ू बुढ़ापा

__ __ __ __ __ ____ ______

(ब) झाड़ - फूँक से बीमारी नहीं जाती ।

____

पढ़ाई - लिखाई विकास की सीढ़ी है ।

____

2. नीचे लिखे शब्दों को ा या ू लगाकर पूरा कीजिए और लिखिए :

झ...ला ---------------- दात...न ----------------

झ...पड़ी ---------------- ढ...लक ----------------

3. गिनती लिखिए :

71	72	73	74	75
___	___	___	___	___
76	77	78	79	80
___	___	___	___	___

पाठ 5

शोषण जनक्रान्ति एकता मुक्ति

श ष ्र न् ए क्

श	शक	शासन	शीशा	शंकर
ष	भाषा	विशेष	पोषाहार	विषैला
्र	प्रण	प्राण	प्रदेश	प्रधान
श्र	श्रम	श्रमिक	परिश्रम	विश्राम
न्	न्याय	न्योली	गन्ना	छन्द
ए	एक	एकता	एकड़	इसलिए
क्	क्या	क्यारी	चक्की	पक्का

81 82 83 84 85 86 87 88 89 90

शोषण करन नै मेंस भल, भालक लिजी जन क्रान्ति ।
एकता में दुख मुक्ति छ, मिललि तबै सुख शान्ति ।।

शहद	शौकीन	खुशी	विषय
प्रचार	प्रेरक	श्रोता	श्रीमती
न्योता	अन्याय	छिन्न	एड़ी
एकाएक	सिक्का	क्वाँर	तरक्की

जन क्रान्ति

परमानन्द की जंगलिया गाँव में दुकान है। दुकान खुले दो ही साल हुए हैं। इन्हीं दो सालों में परमानन्द रईस बन बैठा है। आते ही परमानन्द ने गाँव वालों का शोषण करना शुरू कर दिया था। लोगों को वह रुपये देता, बदले में खूब काम कराता। सारे गाँव वाले तंग आ गये, पर करते क्या ? परमानन्द का काम न करते, तो खाते क्या ? जरूरत पड़ने पर पैसे व अनाज तो वही देता था।

परमानन्द की दुकान खुलने से गाँव में कई प्रकार की बुराइयाँ भी पनपीं। वह शराब भी बेचता था। कुछ लोग शराब के ही लालच में परमानन्द के यहाँ

श्रम करते थे। खाना तो ठीक से मिलता था नहीं, ऊपर से लगातार श्रम। गाँव के लोग कमजोर हो गए। शराब पीने से वे बीमार भी रहने लगे। फिर भी परमानन्द के यहाँ सबको काम करना ही पड़ता था।

नन्दू की माँ कुन्ती भी परमानन्द के यहाँ काम करती थी। कुन्ती ने अपने पति की दवा के लिए बीस रुपये लिए थे। बदले में अपनी नथ, वहाँ गिरवी रख दी थी। कुन्ती परमानन्द के खेतों में काम करती। भैंस के लिए चारा लाती। बकरी चराती। इसके बदले में मिलती थी, बासी रोटी व थोड़ा-सा भात। नन्दू को भी परमानन्द के यहाँ काम करना पड़ता। छोटा - सा नन्दू और ढेर सारा काम। ऊपर से कभी - कभी परमानन्द मार भी बैठता था।

यह अन्याय प्रकाश से नहीं सहा गया। प्रकाश पढ़ा - लिखा नौजवान था। वह गाँव के युवक-मंगल दल का सचिव था। प्रकाश ने पक्का निश्चय कर लिया कि वह गाँव से इस बुराई को खत्म करके

रहेगा। शोषण से लोगों को मुक्त कराकर रहेगा। प्रकाश ने गाँव के लोगों को संगठित किया। शोषण व भ्रष्टाचार के खिलाफ सबको तैयार किया। जन क्रान्ति के लिए रास्ता बनाया। सबने मिलकर परमानन्द को गाँव छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

परमानन्द ने गाँव तो नहीं छोड़ा, सारी बुराइयाँ छोड़ दीं।
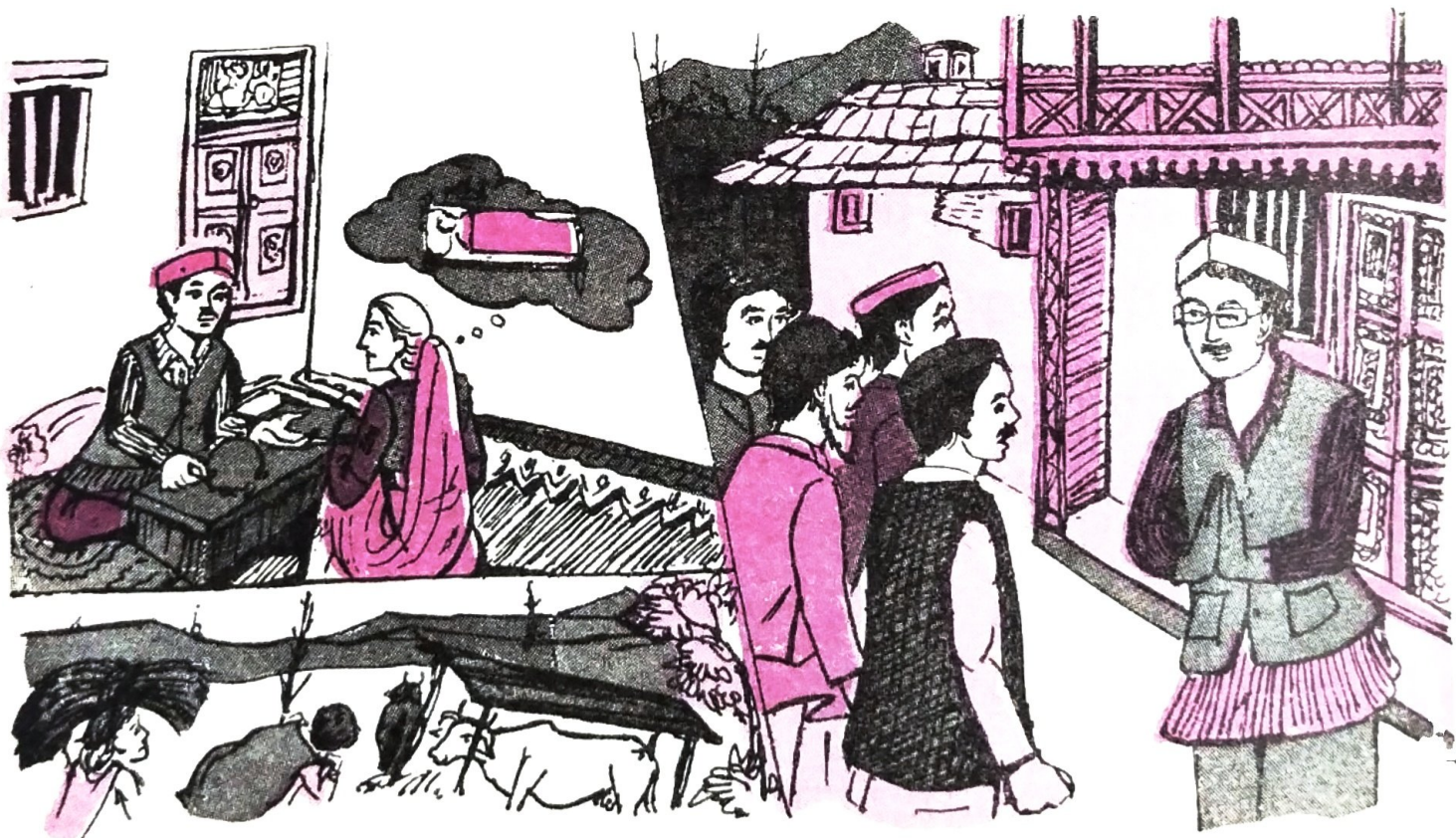
अभ्यास 5

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए तथा समान शब्दों को रेखा से मिलाइए :

शलगम

क्यारी श्रीमती श्रीमान

न्योली भाषण

शलगम भाषण

एकता एकता

श्रीमान क्यारी

मुन्ना श्रीमती न्योली

मुन्ना

------------------ ------------------

------------------ ------------------

3. गिनती लिखिए :

81	______	86	______
82	______	87	______
83	______	88	______
84	______	89	______
85	______	90	______

पाठ 6
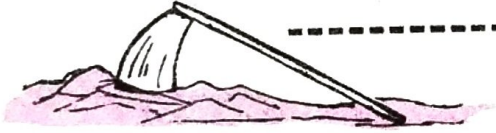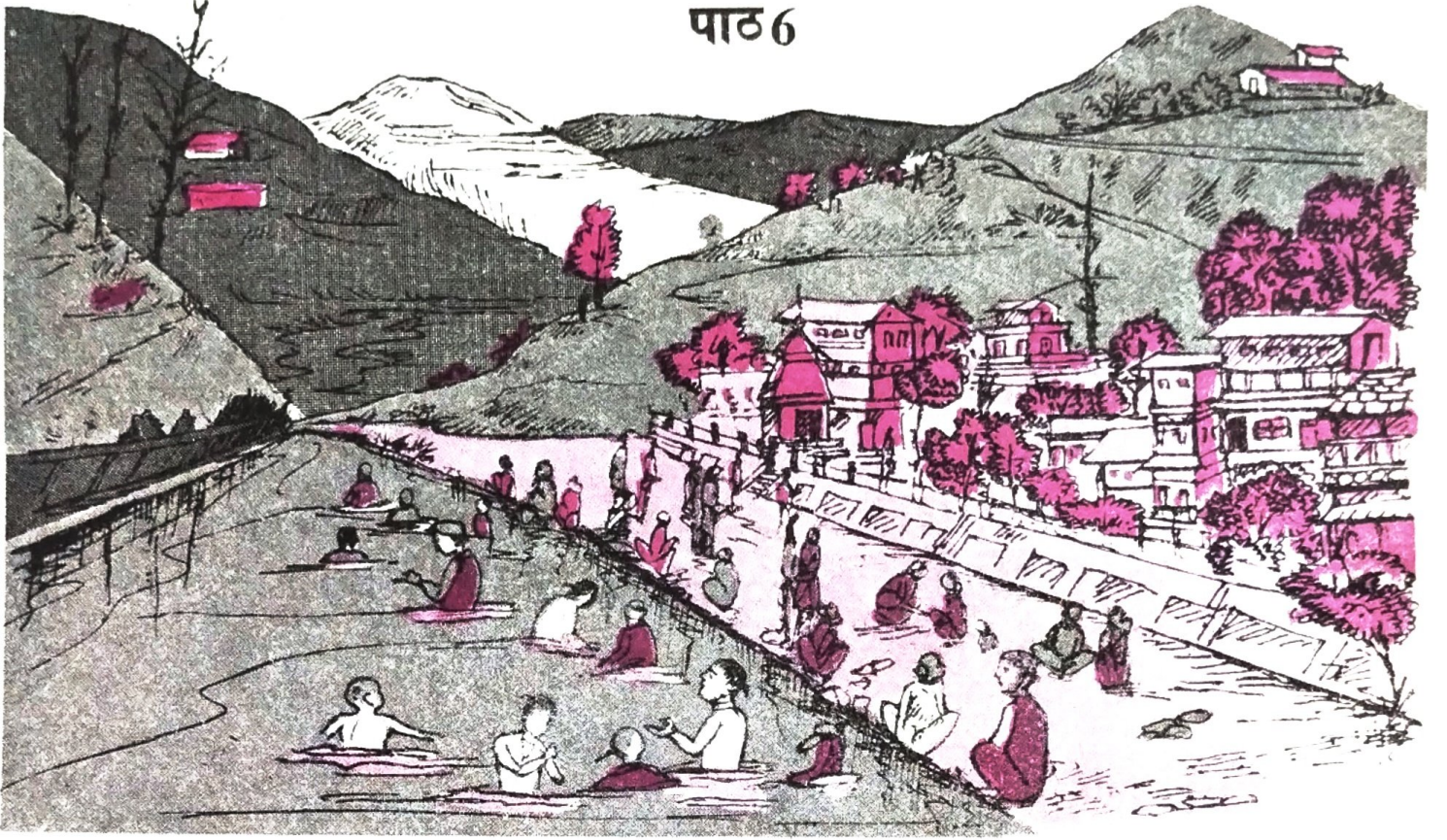
उतरैणी पर्व त्रिवेणी घाट बागेश्वर

उ र्‍ त्र घ श

उ	उमा	उपज	उरद	उपकार
र्‍	कर्म	अर्थ	बर्तन	समर्पण
त्र	पत्र	मित्र	पवित्र	प्रजातंत्र
घ	घर	घास	घी	कंघी
श	श्याम	अवश्य	ईश्वर	विश्वास

91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

भल पड़ूँ उतरैणी पर्व, त्रिवेणी घाट बागेश्वर।
म्यलन में मेल बढ़ूँ, ब्योपार मिलुँ मौक परस्पर।।

उबाल	उधार	उपजाऊ	उम्मीद
वर्षा	सर्दी	पर्वत	कुर्सी
एकत्र	यात्रा	त्रिफला	स्वतंत्र
घुघती	घसियारी	प्रश्न	मुश्किल

हम बेगार नहीं देंगे

माघ का महीना था। बागेश्वर में उतरैणी का मेला जुड़ा था। मथुरा व शंकर मेला देखने गए। ईश्वरी भी साथ में था। मेले में हजारों लोग जमा थे। त्रिवेणी घाट पर नहाने वालों की भीड़ लगी थी। मथुरा, शंकर तथा ईश्वरी ने भी नहाया। वे नहाकर बागनाथ के मन्दिर में गए, फिर मेला देखने लगे। मेले में कोई चटाई बेच रहा था, कोई लकड़ी के बर्तन। कोई दन, थुलम, पंखी की दुकान खोले था। कहीं दानपुरी कंघी, जम्बू, गन्दरेणी, डोलू बेचती भोटिया महिलाएँ बैठी थीं। सामने के मैदान में तम्बू

लगा था, जहाँ कवि सम्मेलन हो रहा था। एक स्थान पर सरकस के खेल चल रहे थे।

सभी दोस्तों ने सरकस देखा। वहीं उन्हें उमा तथा श्याम भी मिल गए। रात में सभी दोस्तों ने एक नाटक देखा। नाटक, बागेश्वर की एक पुरानी घटना पर आधारित था। यह घटना उन्नीस सौ इक्कीस की थी। यही उतरैणी का दिन था। संगम के पास लगभग चालीस हजार सत्याग्रही बैठे थे। एक तरफ दो डंडों पर एक लाल कपड़ा बँधा था। उस पर लिखा था –'कुली उतार बन्द करो।' नेता जोशीले भाषण दे रहे थे। लोग सब कुछ लुटाने को तैयार थे। उधर एक गोरा साहब खड़ा था। इक्कीस अफसर उसके साथ थे। पुलिस भी बुलाई गयी थी, पर लोग डरे नहीं। सरयू का जल उठाकर सबने शपथ ली –'हम बेगार नहीं देंगे', 'स्वराज्य लेकर रहेंगे।' तीन दिन तक लोग धरना देते रहे। आखिर गोरी सरकार की हार हुई। लोग खुशी - खुशी विजय के नारे लगाते घर गए।

नाटक समाप्त हो गया। रात में सभी साथी बड़ी देर तक नाटक की बातें करते रहे। बाद में सो गए। सबेरे जब घर वापस चले, तब भी उनके मन में वही नाटक भरा था—वही देशप्रेम, वही उमंग।
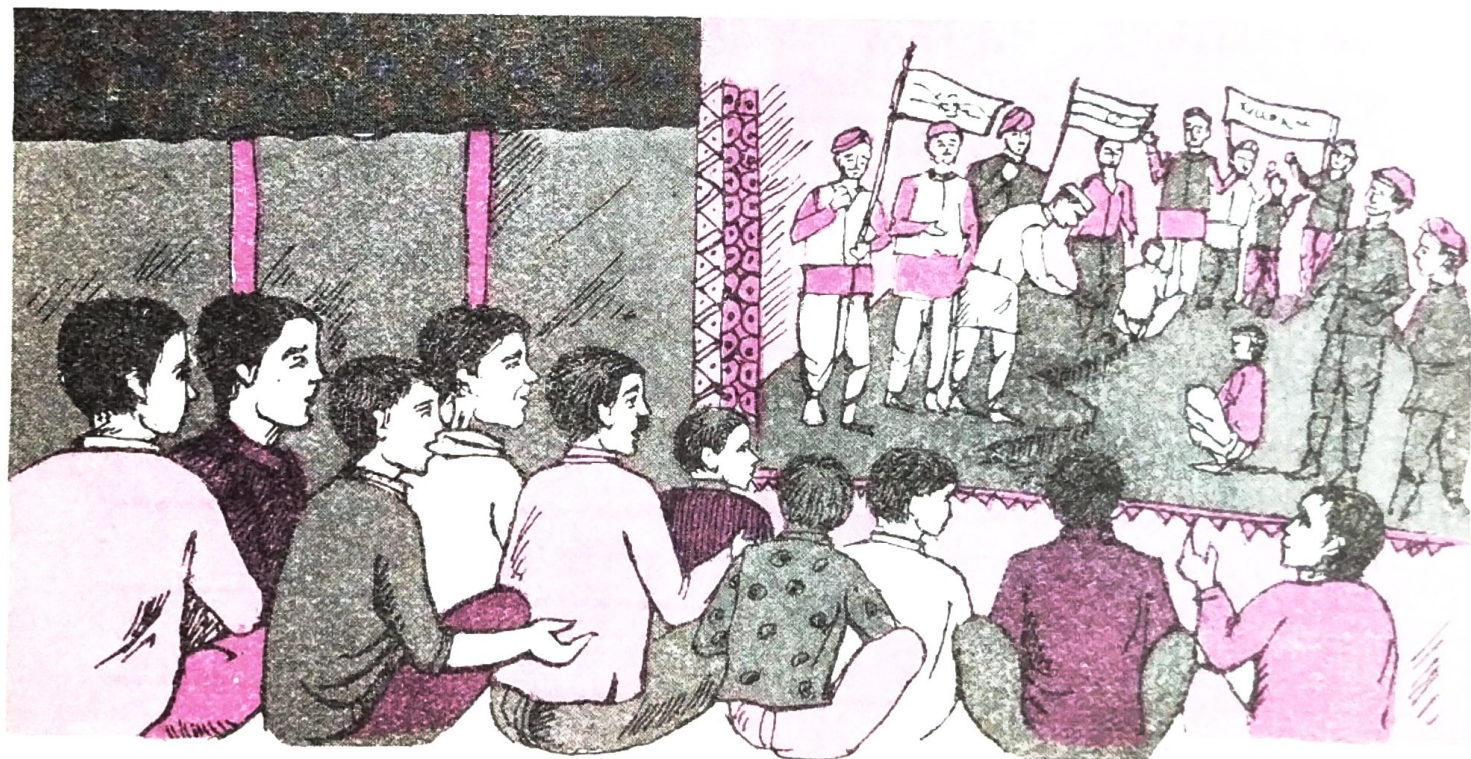
अभ्यास 6

१. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' के अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही वाक्य बनाइए और लिखिए :

(अ)	(ब)
हमारे देश का नाम	उत्तर प्रदेश है।
हर बालिग व्यक्ति को	मीठा होता है।
एकता में बहुत बड़ा	बल होता है।
परिश्रम का फल	भारत है।
हमारे प्रदेश का नाम	मतदान का अधिकार है।

1. --
2. --
3. --
4. --
5. --
6. --

2. गिनिए और लिखिए :

91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

---- ----- ----- ----- ----- ---- ---- ---- ----- ------

जाँच-पत्र : 5 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1 पढ़िए :

श्रम का महत्त्व सभी ने स्वीकार किया है । श्रमिकों की सुख - सुविधा के लिए सरकार ने कई योजनाएँ बनाई हैं । हमें इनका लाभ उठाना चाहिए ।

2 लिखिए :

विश्राम ---------- क्यारी ---------- पोषण ----------

प्रसन्न ---------- तरक्की ---------- अन्याय ----------

3 सही वाक्यों के सामने ✓ का तथा गलत वाक्यों के सामने ✗ का निशान लगाइए :

- राई के साग में बहुत ताकत होती है । ( )
- लड़की का विवाह 14 साल की उम्र में कर देना चाहिए । ( )
- बच्चों को सही समय पर टीके लगवाने चाहिए । ( )

- बीमार पड़ने पर डाक्टर के नहीं ओझा के पास जाना चाहिए । ( )
- बेगार लेना सामाजिक अपराध है। ( )

4. छूटी हुई गिनती लिखिए :

71	____	73	74
____	____	77	____
79	____	81	82
____	84	____	86

5. 71 से 100 तक गिनती क्रम से लिखिए :

71	____	____	____	____
____	____	____	____	____
____	____	____	____	____
____	____	____	____	____
____	____	____	____	____
____	____	____	____	100

पाठ 7

ऋण आमदनी ओड़ औजार

ऋ आ ओ औ

ऋ	ऋतु	ऋषि	ऋषिकेश	उऋण
आ	आम	आलू	कफुआ	कौआ
ओ	ओस	ओला	ओज	ओखली
औ	और	औरत	औलाद	औषधालय

ऋण लै आमदनी बड़ी, ओड़ क बड़ि औजार।
नई-नई मक्कान बणि, खुलि मिहनत का द्वार ॥

ऋतुराज	आहार	आग	आज
आमा	आदमी	आँख	ओट
ओसारा	ओढ़नी	औकात	औलिया

अब आनन्दू खुश था

आनन्दू डंगोली में रहता था। वह ओड़गीरी करता था। दिन भर वह पत्थर काटता। लोगों के मकान बनाता, कभी इस गाँव में, कभी उस गाँव में, पर रोज उसे काम नहीं मिल पाता था। लोग कहते– आनन्दू बहुत धीरे काम करता है।

आनन्दू बेचारा बहुत परेशान था। वह भी चाहता था कि काम जल्दी करे, पर वह करता क्या ? उसके सारे औजार पुराने हो गए थे। इसी से काम करने में देर लगती थी।

एक दिन आनन्दू का लड़का ओमी अल्मोड़ा गया। जब लौटा, तो बहुत खुश था। वह आनन्दू से बोला– बाबूजी, आजकल सरकार कारीगरों को बहुत सुविधाएँ दे रही है। औजार खरीदने के लिए ऋण भी दे रही है, क्यों न, हम भी ऋण ले लें। ऋण लेकर

हम नए औजार खरीद सकते हैं।

आनन्दू बोला – ओमी, यह तो तूने बड़ी अच्छी बात बताई, पर यह ऋण मिलेगा कहाँ से ?

ओमी ने कहा–बी.डी.ओ. साहब से बात करनी पड़ेगी। वहीं अर्जी भी देनी पड़ेगी।

अगले ही दिन आनन्दू और ओमी, बी.डी.ओ. साहब के पास गए। वहाँ ऋण के लिए अर्जी दी। एक महीने बाद ही आनन्दू को औजार खरीदने के लिए ऋण मिल गया। आनन्दू नए औजार खरीद लाया।

अब तो आनन्दू के काम की दूर - दूर तक धूम है। कुछ दिनों से ओमी भी ओड़गीरी करने जाने लगा है।

अभ्यास 7

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

ऋण	ऋषिकेश	आड़ू	ओखली
----------	----------	----------	----------
आँवला	औजार	आटा	ओढ़नी
----------	----------	----------	----------

2. नीचे लिखे शब्दों से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए एवं लिखिए :

आहार ऋण औजार आड़ू

- बैंक से ही ---------- लेना उचित है ।
- संतुलित ---------- लेने से सेहत ठीक रहती है ।
- ---------- कुमाऊँ का मुख्य फल है ।

----

3. समझिए : जोड़

जोड़ का मतलब है — मिलाना । इसका चिह्न + है ।

जैसे :

0 0 0 0 0	+	0 0 0	=	0 0 0 0 0 0 0 0
5	+	3	=	8

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 3 \\ \hline 8 \\ \hline \end{array}$$

जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 4 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 2 \\ +\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 4 \\ +\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 7 \\ +\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 1 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ +\ 5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 2 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 7 \\ +\ 0 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 8
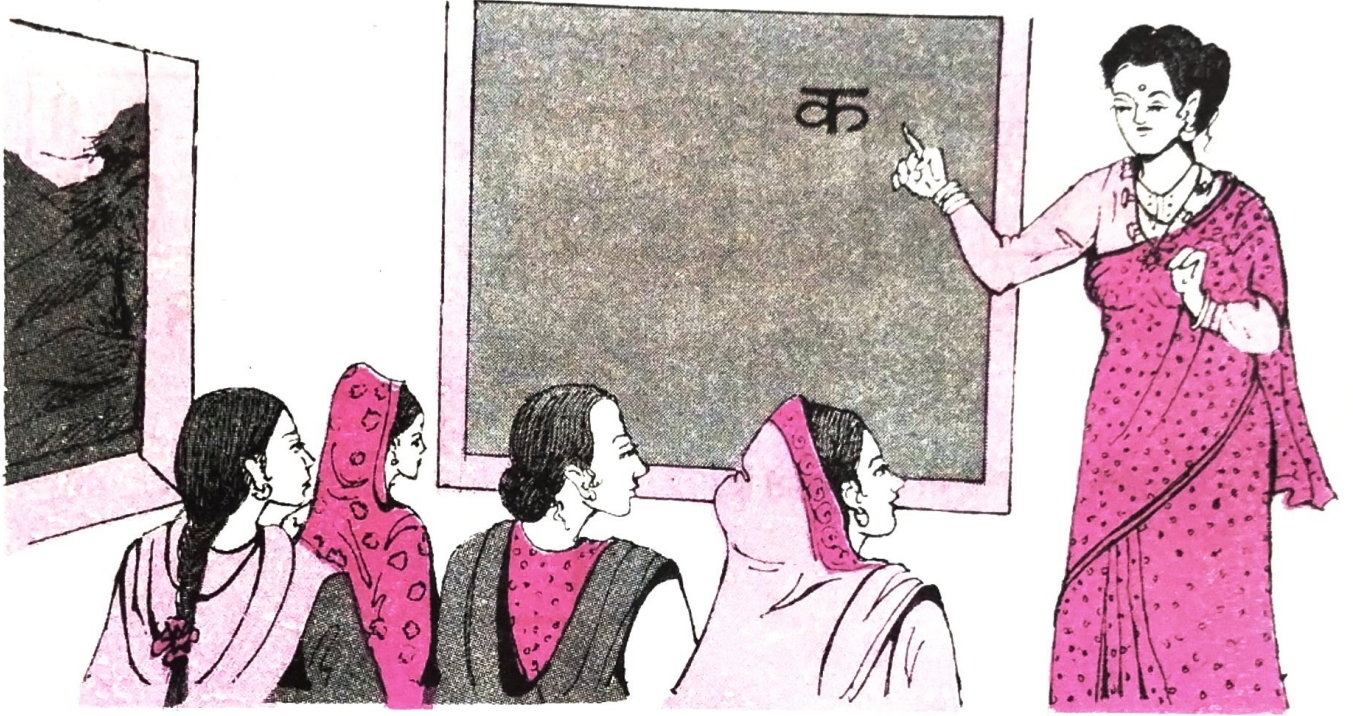
कक्षा अंक ज्ञान

क्ष अं ज्ञ

क्ष	क्षण	क्षमा	शिक्षक	आरक्षण
	मोक्ष	सुरक्षा	परीक्षा	अध्यक्ष
अं	अंग	अंगूर	अंडा	अंधा
	अंगार	अंजन	अंचल	अंधकार
ज्ञ	ज्ञान	यज्ञ	आज्ञा	प्रतिज्ञा
	संज्ञा	विज्ञान	आज्ञाकारी	ज्ञानी

कक्षा में तुम नित अवा, सीखौ अंक का ज्ञान।
पढ़ी-लिखी का ख्याड़ निजौ, तुमरित बढ़ली शान ।।

एक पत्र

चन्द्रेश्वर

दिनांक- 26-5-89

प्रिय मुन्ना के बाबू ।

आसाम से लिखा हुआ आपका पत्र मिल गया है। यहाँ सब लोग राजी - खुशी से हैं। आपकी राजी - खुशी के लिए दूनागिरी मइया से मनौती माँगती हूँ । मुन्ना सदा आपको याद करता है।

हमारे गाँव में इस साल प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र खुल गया है। ज्ञानवती दीदी हमको इस केन्द्र पर पढ़ाती हैं। मैंने पढ़ना - लिखना सीख लिया है। ज्ञानवती दीदी ने हमको खेती-पाती की बातें बताईं। सिलाई-कढ़ाई भी सिखाई। पत्र लिखना भी सिखाया। मंगलवार को हम लोग केन्द्र पर कीर्तन करती हैं।

पहले आपका पत्र ज्ञानवती दीदी पढ़कर सुनाती थीं। मेरा पत्र भी लिखती थीं। आज मैं खुद आपको पत्र लिख रही हूँ ।

ग्राम सभा के चुनाव में जीवन्ती सास जी

प्रधान चुनी गई हैं। क्षेत्र समिति ने हमारे गाँव में महिला चर्चा मण्डल बनाया है।

इस साल गेहूँ की फसल अच्छी हुई है। मुन्ना का आपको चरण स्पर्श।

सेवा में—सूबेदार वंशीधर
सातवीं कुमाऊँ रेजीमेन्ट
56 ए. पी. ओ.

आपकी,
अंजना

अभ्यास 8

1. चौखटे में लिखे वर्णों की सहायता से पाँच शब्द बनाइए :

ता	न	त्र	ज्ञा	प
ग	क्ष	धा	क	मो
वि	प्र	अं	र	सा

-------- -------- -------- -------- --------

2. समझिए : घटाना

घटाने का मतलब है – कम करना या निकाल देना । जैसे –

एक आदमी के पास 7 रुपये हैं । उसने 2 रुपये के पान खरीद लिए । अब उसके पास 5 रुपये बचे । 7 में से 2 रुपये कम हो गए तो 5 रुपये बचे । यही घटाना है । घटाने का चिह्न (–) है ।

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$7 - 2 = 5$ या $\begin{array}{r} 7 \\ -\ 2 \\ \hline 5 \\ \hline \end{array}$

घटाइए :

$\begin{array}{r} 5 \\ -4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$ $\quad$ $\begin{array}{r} 6 \\ -3 \\ \hline \\ \hline \end{array}$ $\quad$ $\begin{array}{r} 8 \\ -6 \\ \hline \\ \hline \end{array}$ $\quad$ $\begin{array}{r} 9 \\ -5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$

पाठ 9

यह मेरे पर्वत की धरती

यह मेरे भारत की धरती,
धरती वीर जवानों की ।
सच्चे रणधीरों की धरती,
धरती है बलवानों की ।। 1 ।।

यह मेरे पर्वत की धरती,
स्वर्गलोक से सुन्दर है ।
इसमें अब भी गूँजा करता,
बेदों का पावन स्वर है ।। 2 ।।

जब बसन्त अँगड़ाई लेता,
डाल - डाल खिल जाती है ।
वन उपवन हर पात - पात में,
नव बहार छा जाती है ।। 3 ।।

सूरज की हर नई किरन,
तब नया सँदेशा लाती है ।
तरु पर कुहुक - कुहुक कर
कोयल, प्रेम गीत गा जाती है ।। 4 ।।

— भैरव दत्त गुरुरानी

अभ्यास 9

1. वर्णों और मात्राओं को मिलाकर लिखिए :

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ	ं
क										
ख										
ग										
घ										
च										
ज										
ट										
त										
भ										
न										
प										
ब										
म										
ल										
स										

2. समझिए :

$$5 + 5 + 5 = 15$$

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं-

$$6 \times 3 = 18 \quad \text{या} \quad \begin{array}{r} 6 \\ \times 3 \\ \hline 18 \\ \hline \end{array}$$

इसे गुणा करना कहते हैं। इसका चिह्न × है।

3. गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 4 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 5 \\ \times 6 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ \times 8 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 2 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 9 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 8 \\ \times 6 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 4 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ \times 5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 7 \\ \times 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

4. जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 32 \\ +13 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 55 \\ +23 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 34 \\ +15 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 45 \\ +33 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

5. घटाइए :

$$\begin{array}{r} 36 \\ -12 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 56 \\ -32 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 47 \\ -24 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 78 \\ -52 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 10

राष्ट्रीय चिह्न जन जागृति

ष ट्र ह् न गृ

ष	पुष्प	मनुष्य	भविष्य	शिष्टाचार
ट्र	राष्ट्र	ड्रामा	ट्रक	ट्रैक्टर
द्	विद्या	मिट्टी	जिह्वा	गद्दा
गृ	कृषि	कृपा	वृक्ष	अमृत

नोट–हलन्त वाले अक्षरों को इस प्रकार भी लिखा जाता है –

द्+व= द्व द्वार, द्+ध= द्ध उद्धार

द्+य= द्य विद्या, ह्+न= ह्न चिह्न

हमर राष्ट्रीय चिह्न मजि, चक्र कि महिम अपार।
जन-जागृति जागरण कौ, भरूँ समता क विचार।।

पुष्ट	**संतुष्ट**	**विष्णु**	**कष्ट**
बुड्ढा	**टिड्डी**	**लट्ठा**	**हड्डी**
दृष्टि	**पृथ्वी**	**गृहस्थ**	**दृश्य**

राष्ट्रीय चिह्न

प्रत्येक देश के अपने कुछ चिह्न होते हैं। इन्हें राष्ट्रीय चिह्न कहते हैं। हमारे देश भारतवर्ष के भी राष्ट्रीय चिह्न हैं।

राष्ट्रीय झंडा

राष्ट्रीय झंडा राष्ट्र की मर्यादा का प्रतीक है। भारत का राष्ट्रीय झंडा तिरंगा है। इसमें तीन रंग हैं, सबसे ऊपर केसरिया रंग है। यह त्याग, बलिदान और वीरता का प्रतीक है। बीच में सफेद रंग की पट्टी है, इससे शांति और मैत्री झलकती है।
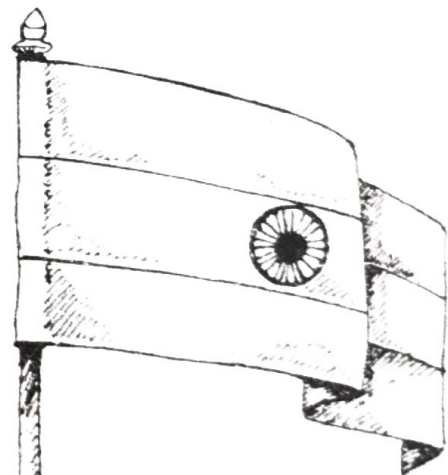
सबसे नीचे हरा रंग है, यह खुशहाली की निशानी है। झंडे के बीच में नीले रंग का अशोक चक्र बना है,

इसमें चौबीस तीलियाँ हैं। चक्र हमें निरन्तर आगे बढ़ते रहने का संदेश देता है।

राष्ट्र - गान

राष्ट्रीय झंडे की तरह हर देश का राष्ट्र - गान भी होता है। हमारे देश का राष्ट्र - गान 'जन - गण - मन' है। श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इसे लिखा था। जब राष्ट्र - गान गाया जाता है, तो सभी लोग सावधान की मुद्रा में खड़े होकर इसका सम्मान करते हैं।

राज - चिह्न

आपने रुपये के नोटों में शेरों की मूर्ति का चिह्न देखा होगा। यह चित्र अशोक की लाट से लिया गया है। इसमें चार शेर बने हैं, परन्तु तीन ही दिखाई देते हैं। इसी कारण इसे त्रिमूर्ति कहा जाता है। इस त्रिमूर्ति के नीचे घोड़े और बैल का चित्र

बनाहै। नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा है । भारत सरकार के सभी कागज - पत्रों में यह चिह्न छपा रहता है ।

राष्ट्रीय पशु

भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। बाघ बहुत शक्तिशाली होता है। यह हमारी शक्ति का प्रतीक है । बाघ को मारना कानूनी अपराध है ।
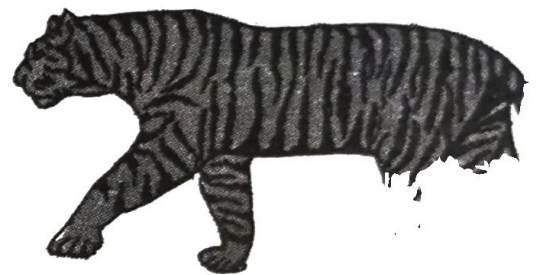
राष्ट्रीय पक्षी

मोर, भारत का राष्ट्रीय पक्षी है । अपने सुन्दर रंग-बिरंगें पंखों के कारण ही यह प्रसिद्ध है। यह पक्षी सुन्दरता का प्रतीक है। इसे भी मारना और पकड़ना कानूनी अपराध है ।

अभ्यास 10

1. पढ़िए और लिखिए :

शिष्य	------------------	वशिष्ठ	----------------
ड्रम	------------------	कृषक	----------------
कंट्रोल	------------------	मातृभूमि	----------------
चट्टान	------------------	मृदंग	----------------
चिट्ठी	------------------	राष्ट्र	----------------
विद्वान	------------------	विद्या	----------------

2. सप्ताह के दिनों के नाम पढ़िए और लिखिए :

रविवार ------------------------------

सोमवार ------------------------------

मंगलवार ------------------------------

बुधवार ------------------------------

गुरुवार ------------------------------

शुक्रवार ------------------------------

शनिवार ------------------------------

3. महीनों के नाम पढ़िए और लिखिए :

1. जनवरी ----------- 7. जुलाई -------------------
2. फरवरी ----------- 8. अगस्त -----------------
3. मार्च ------------- 9. सितम्बर ---------------
4. अप्रैल ------------ 10. अक्टूबर ---------------
5. मई --------------- 11. नवम्बर ----------------
6. जून -------------- 12. दिसम्बर ---------------

4. समझिए : भाग

किसी चीज को बराबर - बराबर हिस्सों में बाँटने को भाग देना कहते हैं। भाग का चिह्न (÷) है।

जैसे –

$8 \div 2 = 4$ या

```
2) 8 (4
   8
  ---
   ×
  ---
```

भाग दीजिए :

$6 \div 3 =$ ...... $8 \div 4 =$ ....

$4 \div 2 =$ ...... $9 \div 3 =$ ....

5. गुणा कीजिए :

15	22	34	11
×2	×4	×2	×8
____	____	____	____

10	33	20	30
×3	×2	×5	×3
____	____	____	____

जाँच-पत्र : 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

1. पढ़िए :

चारपाई भैंस अस्पताल परिवार-कल्याण

झाड़-फूँक मंगल ऋषिकेश शिक्षार्थी

प्रतिज्ञा राष्ट्रीयता जिह्वा अर्पण

2. नीचे लिखे प्रश्नों के सामने दो-दो उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाएँ :

- **बच्चे को टीका लगवाने के लिए कहाँ ले जाना चाहिए ? (पाठशाला/अस्पताल)**
- **बीमार होने पर क्या करना चाहिए ? (झाड़ - फूँक/दवाई)**
- **घरेलू उद्योग के लिए ऋण कहाँ से लेना चाहिए ? (बैंक/साहूकार)**

3. चित्र देखकर उनके नाम लिखिए :

4. जोड़िए:

33	36	75
+45	+54	+15
____	____	____

5. घटाइए:

65	87	93
−21	−27	−34
____	____	____

6. गुणा कीजिए:

25	38	46
×7	×5	×6
____	____	____

7. भाग दीजिए:

$45 \div 9 =$ ------- $56 \div 8 =$ -------

$63 \div 7 =$ ------- $24 \div 3 =$ -------

प्रतिभागी का नाम --

पता --

प्रवेश की तिथि --------------- परीक्षा तिथि ---------------------

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ----------------------------

तारीख --------------------

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : --

परियोजना : --

जिला : ------------------------------------- उत्तर प्रदेश

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी -- सुपुत्र / पत्नी / सुपुत्री ------------------------------ ने सन् ------------ में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में कुमाऊँ प्रवेशिका (दूसरा भाग) पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक: ग्राम प्रधान अनुदेशक

तारीख ---------------